1महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

प्रथम एवं द्वितीय छमाही/ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन विद्यार्थियों ने एम.ए. राजनीति-विज्ञान प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि एम.ए. राजनीति विज्ञान प्रथम सत्र के सत्रीय कार्य अपने आवंटित अभ्यास केंद्र पर लिखकर दिनांक 30 अप्रैल, 2019 तक प्रस्तुत करें। एम.ए. राजनीति विज्ञान **प्रथम सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं –

प्रथम छमाही/ सेमेस्टर

क्र.स.	प्रश्न-पत्र	प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम
1	प्रथम	एम.ए. पी.एस-01	प्राचीन भारतीय राजशास्त्र एवं मध्यकालन भारत का राजनीतिक चिन्तन
2	द्वितीय	एम.ए. पी.एस-02	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन (भाग-1)
3	तृतीय	एम.ए. पी.एस-03	तुलनात्मक राजनीति
4	चतुर्थ	एम.ए. पी.एस-04	भारत में स्वतन्त्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास
5	पंचम	एम.ए. पी.एस-05	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत
		अथवा	
		एम.ए. पी.एस-06	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

द्वितीय छमाही/सेमस्टर

क्र.स.	प्रश्न-पत्र	प्रश्न-पत्र कोड	प्रश्न-पत्र का नाम
1	प्रथम	एम.ए. पी.एस-07	आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन (भाग-1)
2	द्वितीय	एम.ए. पी.एस-08	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन (भाग-2)
3	तृतीय	एम.ए. पी.एस-09	लोक प्रशासन
4	चतुर्थ	एम.ए. पी.एस-10	भारतीय शासन एवं राजनीति
5	पंचम	एम.ए. पी.एस-12	संयुक्त राष्ट्र

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अध्ययन सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक एंव आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा

पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक,नाम,पूरा पता,और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्यास्पष्ट रूप में लिखे।

(Cover page उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ) निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या: .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : एम.ए. राजनीति विज्ञान

प्रश्न-पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत करें।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (**A4**) आकार के कागज का इस्तेमाल करें
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में ही उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. **अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।**

शुभकामनाओं के साथ।

(डॉ सुशील कुमार त्रिपाठी)

(पाठ्यक्रम संयोजक)

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

प्रथम प्रश्न- पत्र कोड :	एम.ए. पी.एस-01
प्रश्न- पत्र का नाम :	प्राचीन भारतीय राजशास्त्र एवं मध्यकालीन भारत का राजनीतिक चिन्तन
अंतिम तिथि :	30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतम अंक :	30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 1 - प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 2 - शान्तिपर्व में वर्णित राजधर्म की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 3 -मनु के प्रशासन सम्बन्धी विचार का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4 -कौटिल्य के परराष्ट्र सम्बन्धी नीति की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 5 -एक समन्वयवादी विचारक के रूप में कबीर के चिन्तन का मूल्यांकन कीजिए।

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

द्वितीय प्रश्न- पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-02

प्रश्न- पत्र का नाम : पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन (भाग-1)

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- प्लेटो के न्याय सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।
2- अरस्तू के संवैधानिक वर्गीकरण के सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।
3- 'मध्यकालीन युग एक अन्धकार युग था' कथन की व्याख्या कीजिए।
4- जॉन आस्टिन के सम्प्रभुता सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
5- हाब्स के सामाजिक समझौता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

तृतीय प्रश्न- पत्र कोड :	एम.ए. पी.एस-03
प्रश्न- पत्र का नाम :	तुलनात्मक राजनीति
अंतिम तिथि :	30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतम अंक :	30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- तुलनात्मक राजनीति से आप क्या समझते हैं? एक अनुशासन के रूप में तुलनात्मक राजनीति के विकास की व्याख्या कीजिए।

2- संसदीय शासन व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? संसदीय और अध्यक्षीय शासन व्यवस्था के मध्य प्रमुख अन्तरों की व्याख्या कीजिए।

3- प्रदत्त विधायन से आप क्या समझते हैं? व्यवस्थापिका की शक्ति में ह्रास के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

4- दबाव समूह से आप क्या समझते हैं? दबाव समूहों की कार्य प्रणालियों की व्याख्या कीजिए।

5- प्रजातन्त के अभिजात्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

चतुर्थ प्रश्न -पत्र कोड :	एम.ए. पी.एस-04
प्रश्न -पत्र का नाम :	भारत में स्वतन्त्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास
अंतिम तिथि :	30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतम अंक :	30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- भारत में कम्पनी शासन कें सुदृढ़ीकरण की व्याख्या कीजिए।
2- सन् 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम की पृष्ठभूमि एवं प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
3- भारतीय शासन अधिनियम 1935 के प्रमुख प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।
4- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गांधी की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
5- भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

निर्देश- एम.ए. पी.एस. - 05 एवं एम.ए.पी.एस. - 06 में से किसी एक प्रश्न-पत्र का उत्तर दीजिए।

पंचम प्रश्न -पत्र कोड :	एम.ए. पी.एस-05
प्रश्न -पत्र का नाम :	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत
अंतिम तिथि :	30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतम अंक :	30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1-अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अर्थ, प्रकृति एवं समसामयिक प्रवृत्तीयों की विवेचना कीजिए।

2-राष्ट्रीय शक्ति से आप क्या समझते हैं? राष्ट्रीय शक्ति के उपयोग और उसकी सीमाओं की विवेचना कीजिए।

3-राष्ट्रीय हित की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

4-नि:शस्त्रीकरण तथा शस्त्र-नियन्त्रण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

5-अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राज्येत्तर कर्ताओं की बढ़ती हुई भूमिका का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य

प्रथम छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

निर्देश- एम.ए. पी.एस. - 05 एवं एम.ए.पी.एस. - 06 में से किसी एक प्रश्न-पत्र का उत्तर दीजिए।

पंचम प्रश्न -पत्र कोड :	एम.ए. पी.एस-06
प्रश्न -पत्र का नाम :	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
अंतिम तिथि :	30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।
अधिकतम अंक :	30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- शीतयुद्ध से आप क्या समझते हैं? शीतयुद्ध के अन्त एवं प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
2- तृतीय विश्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।
3- गुटनिरपेक्ष आन्दोलन से आप क्या समझते हैं? वर्तमान दौर में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।
4- वैश्वीकरण (भूमण्डलीकरण) से आप क्या समझते हैं? भूमण्डलीकरण का राष्ट्र-राज्य की अवधारणा पर पड़े प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
5- नयी विश्व-व्यवस्था से आप क्या समझतें है? नयी विश्व-व्यवस्था में भारत की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

सत्रीय कार्य

द्वितीय छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

प्रथम- प्रश्न- पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-07

प्रश्न- पत्र का नाम : आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिन्तन (भाग-1)

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- राजा राममोहन राय के राजनीतिक एंव आर्थिक विचारों की विवेचना कीजिए।
2- भारत में उदारवादी चिन्तन के स्वरूप की व्याख्या करते हुए दादा भाई नौंरोजी के राजनीतिक विचारों का विश्लेषण कीजिए।
3- गोपाल कृष्ण गोखले के राजनीतिक विचारों की विवेचना कीजिए।
4- बाल गंगाधर तिलक के राजनीतिक दर्शन की विवेचना कीजिए।
5- भारत में समाजवादी आन्दोलन की व्याख्या करते हुए आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक विचार की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य

द्वितीय छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

द्वितीय प्रश्न -पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-08

प्रश्न- पत्र का नाम : पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन (भाग-2)

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- बेन्थम के राजनीतिक चिन्तन की व्याख्या कीजिए।
2- जॉन स्टुअर्ट मिल के राजनीतिक विचार की विवेचना कीजिए।
3- "शक्ति नहीं अपितु संकल्प राज्य का आधार है " टी.एच.ग्रीन के इस कथन की व्याख्या कीजिए।
4- कार्ल मार्क्स के प्रमुख राजनीतिक चिन्तन की विवेचन कीजिए।
5- सेन्ट साइमन के राजनीतिक विचार की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य

द्वितीय छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

तृतीय प्रश्न -पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-09

प्रश्न- पत्र का नाम : लोक प्रशासन

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- लोक प्रशासन से आप क्या समझते हैं? लोक प्रशासन की प्रकृति एवं महत्व की व्याख्या कीजिए।
2- नवीन लोक से आप क्या समझते हैं? नवीन लोक प्रशासन के समक्ष उपस्थित प्रमुख चुनौतियों एवं उसके समाधान की विवेचना कीजिए।
3- लोक प्रशासन के मानव-सम्बध सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
4- पदसोपान से आप क्या समझते हैं? संगठन में पदसोपान के महत्व की व्याख्या कीजिए।
5- नौकरशाही से आप क्या समझते हैं? लोकप्रशासन में नौकरशाही की बढ़ती हुई भुमिका की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य

द्वितीय छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

चतुर्थ प्रश्न- पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-10

प्रश्न- पत्र का नाम : भारतीय शासन एवं राजनीति

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं एवं वैचारिक तत्व की व्याख्या कीजिए।
2- भारतीय प्रधानमन्त्री की शक्तियों की विवेचना करते हुए उसके वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कीजिए।
3- राज्यपाल की शक्तियों एवं स्थिति की विवेचना कीजिए।
4- भारत में लोकसभा अध्यक्ष के कार्य एवं शक्तियों की व्याख्या कीजिए।
5- भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की बढती हुई भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

सत्रीय कार्य

द्वितीय छमाही/सेमेस्टर

एम.ए. राजनीति विज्ञान (सत्र 2018-20)

पचंम प्रश्न- पत्र कोड : एम.ए. पी.एस-12

प्रश्न- पत्र का नाम : संयुक्त राष्ट्र

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल,2019 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें।

अधिकतम अंक : 30

- किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।

1- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्य एवं सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।
2- सुरक्षा परिषद के संगठन एवं शक्तियों की व्याख्या कीजिए।
3- विशिष्ट अभिकरण से आप क्या समझते हैं? प्रमुख विशिष्ट अभिकरणों के कार्यो की विवेचना कीजिए।
4- विवादों के शान्तिपूर्व समाधान में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की विवेचना कीजिए।
5- संयुक्त राष्ट्र के लोकतन्त्रीकरण की प्रक्रिया में भारत की भूमिका की विवेचना कीजिए।